



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 186]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 31, 1993/ज्येष्ठ 10, 1915

No. 186]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 31, 1993/JYAISTHA 10, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(प्राधिकार कार्य विभाग)

प्रतिष्ठान

नई दिल्ली, 31 मई, 1993

राष्ट्रीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन रजिस्ट्रार और

शेयर अंतरण अभिकर्ता) नियम, 1993

सा.का.नि. 436(घ) :—केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय प्रतिभूति और
विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 29
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती
है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन रजिस्ट्रार और
शेयर अंतरण अभिकर्ता) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा
अपेक्षित न हो, —

- (क) “अधिनियम” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;
- (ख) “निगमित निकाय” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956
का 1) की धारा 2 के खंड (7) में यथा परिभाषित
निगमित निकाय अभिप्रेत है ;
- (ग) “प्रमाणपत्र” से बोर्ड द्वारा विनियमों के अंगीत अनुवृत्त या
नवीकृत रजिस्ट्रीकरण-प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;
- (घ) “निर्गमन” से, यथास्थिति, किसी निगमित निकाय द्वारा या
किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा उसकी या
उसकी ओर से जनता या ऐसे निगमित निकाय या
व्यक्ति या व्यक्तियों की प्रतिभूतियों के धारकों को या
उन्से प्रतिभूतियों के विक्रय या कप की प्रस्तावना
अभिप्रेत है ;
- (ङ) “किसी निर्गमन का रजिस्ट्रार” से किसी निगमित निकाय
या किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा उसकी या

उनकी ओर से निम्नलिखित क्रियाकलाप करने के लिये नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है, अर्थात् :—

- (i) किसी निर्गमन के संबंध में विनिधानकर्ताओं से आवेदन संग्रह करना ;
- (ii) विनिधानकर्ताओं से प्राप्त आवेदनों या प्रतिभूतियों के विक्रेता को संदत्त धनराशियों का समुचित अभिलेख रखना ; और
- (iii) ऐसे निगमित निकाय या व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह की :
 - (क) स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से प्रतिभूतियों के आबंटन का आबजार अवधारित करने में ;
 - (ख) प्रतिभूतियों के आबंटन के अधिकार व्यक्तियों की सूची की अंतिम रूप देने में ;
 - (ग) आबंटन पत्रों, प्रतिदाय आवेशों या प्रमाणपत्रों और निर्गमन की बाबत अन्य संबंधित दस्तावेजों का प्रकृति और विप्रेषण करने में, सहायता करना ।
- (च) “विनियम” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अधिकर्ता) विनियम, 1993 अभिप्रेत है ;
- (छ) “शेयर अंतरण अधिकर्ता” से अभिप्रेत है (i) कोई ऐसा व्यक्ति, जो किसी निगमित निकाय की ओर से ऐसे निगमित निकाय द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियों के धारकों का अभिलेख रखता है और उसकी प्रतिभूतियों के अंतरण और मोचन से संबंधित सभी बातों के बारे में व्यवहार करता है ;
- (ii) किसी निगमित निकाय का ऐसा विभाग या प्रभाग (किसी भी नाम से ज्ञात हो) उपखंड (i) में निर्दिष्ट क्रियाकलाप उस दशा में करता है यदि किसी समय उसकी निर्गमित प्रतिभूतियों के धारकों की कुल संख्या एक लाख से अधिक हो जाती है ।
- (ज) “स्टॉक एक्सचेंज” से ऐसा स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4 के अधीन तत्समय मान्यताप्राप्त है ।

3. निर्गमन के रजिस्ट्रारों, शेयर अंतरण अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रार के बिना कार्य न करना.—कोई भी व्यक्ति निर्गमन के रजिस्ट्रार के रूप में या शेयर अंतरण अधिकर्ता के रूप में तब तक कार्य नहीं करेगा जब तक कि वह बोर्ड द्वारा विनियमों के अधीन अनुदत्त प्रमाणपत्र धारण न करता हो :

परन्तु यदि ऐसे व्यक्ति ने अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन ऐसे रजिस्ट्रार के लिये आवेदन किया है, तो वह आवेदन का निपटारा होने तक निर्गमन के रजिस्ट्रार के रूप में या शेयर अंतरण अधिकर्ता के रूप में कार्य करता रह सकता है ।

4. प्रमाणपत्र के अनुदान या नवीकरण के लिये शर्तें :—बोर्ड किसी निर्गमन के रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अधिकर्ता को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए प्रमाणपत्र अनुदत्त या नवीकृत कर सकेगा अर्थात् :—

- (क) प्रास्थिति और गठन में किसी परिवर्तन की दशा में, वह निर्गमन के रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अधिकर्ता के रूप में कार्य करते रहने के लिये बोर्ड का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा ;

(ख) किसी अन्य विधि के अधीन बाध्यताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, किसी निर्गमन का रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अधिकर्ता, निगमित निकाय या व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के साथ, जिसके या जिनके लिये या जिसको या जिनको ओर से वह निर्गमन के रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अधिकर्ता के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय या विक्रय या व्यवहार कर रहा है, एक विधिमान्य करार करेगा और अन्य बातों में उक्त करार में, यथास्थिति, उसके ओर ऐसे निगमित निकाय या व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के बीच कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों का आवंटन परिभाषित किया जा सकेगा ।

(ग) वह विनियमों में उपबंधित रीति से रजिस्ट्रार के लिये फीस की रकम का संचालन करता है ;

(घ) वह विनियमों में निर्दिष्ट पूंजी पर्याप्तता अपेक्षाएं प्रमाणपत्र या उसके नवीकरण की अवधि के दौरान सब समय बनाए रखता है ;

(ङ) वह विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को उनकी प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर दूर करने के लिये यथाचित उपाय करेगा और वह प्राप्त शिकायतों की संख्या, प्रकृति तथा अन्य विशिष्टियों और ऐसी शिकायतों को दूर करने वाला रीति के बारे में बोर्ड को जानकारी देता रहेगा ।

[फा.सं. 20/19/एस.ई.-93]

एम. बरवाचारी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 1993

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (REGISTRARS TO AN ISSUE AND SHARE TRANSFER AGENTS) RULES 1993

G.S.R. 436(E).—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, (15 of 1992), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Securities and Exchange Board of India (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) ;

(b) “body corporate” means a body corporate as defined in clause (7) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) ;

(c) “certificate” means a certificate of registration granted or renewed by the Board under the regulations ,

(d) “issue” means an offer of sale or purchase of securities by any body corporate or by any other person or group of persons on its or his or their behalf, as the case may be, to or from, the public, or, the holders of securities of such body corporate or person or group of persons.

- (e) "registrar to an issue" means the person appointed by a body corporate or any person or group of persons to carry on the following activities on its or his or their behalf, namely :—
- (i) collecting applications from investors in respect of an issue ;
 - (ii) keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities,
and
 - (iii) assisting body corporate or person or group of persons in :
 - (a) determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange ;
 - (b) finalising the list of persons entitled to allotment of securities
 - (c) processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue.
 - (f) "regulations" means the Securities and Exchange Board of India (Registrars to an issue and share Transfer Agents) Regulations 1993 ;
 - (g) "share transfer agent" means—
 - (i) any person, who on behalf of any body corporate maintains the record of holders of securities issued by such body corporate and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities.
 - (ii) a department or division by whatever name called of a body corporate performing the activities referred in sub-clause (i) if at any time the total number of the holders of its securities issued exceed one lakh.
 - (h) "stock exchange" means a stock exchange which is for the time being recognised by the Central Government under section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).

3. Not to act as registrars to issue, share transfer agent without registration.—No person shall act either as a registrar to an issue or as a share transfer agent unless he holds a certificate granted by the Board under the regulation ;

Provided that such person may continue to act as registrar to an issue or share transfer agent if he has made an application for such registration under the proviso to sub-section (1) of section 12 of the Act till the disposal of such application.

4. Conditions for grant or renewal of certificate.—(1) The Board may grant or renew a certificate to a registrar to an issue or a share transfer agent subject to the following conditions namely :

- (a) in case of any change in the status and constitution, it or he shall obtain prior permission of the Board to continue to act as registrar to an issue or share transfer agent ;
- (b) without prejudice to the obligations under any other law the registrar to an issue or share transfer agent, shall enter into a valid agreement with the body corporate or the person or group of persons for or on whose behalf he is buying or selling or dealing in securities as a registrar to an issue or as a transfer agent and the said agreement amongst other things may define the allotment of duties and responsibilities between him and such body corporate or persons or group of persons, as the case may be.
- (c) he pays the amount of fees for registration in the manner provided in the regulations ;
- (d) he maintains capital adequacy requirement specified in the regulations at all times during the period of the certificate or renewal thereof ;
- (e) he shall take adequate steps for redressal of grievances of the investors within one month of the date of the receipt of the complaints and he shall keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaint received and the manner in which such complaints have been redressed.

[F. No. 20/19/SE|92]

S. VARADACHARY, Jt. Secy.

